सत्यमेव जयते

पंचदश

बिहार विधान-सभा

द्वादश सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-2

मंगलवार, तिथि 29 माघ, 1935 (श0) / 18 फरवरी, 2014 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 03

(1) शिक्षा विभाग	..	..	02
(2) खान एवं भूतत्व विभाग	..	..	01
		कुल योग —	03

बढ़ोतरी करना

02. श्री अरुण शंकर प्रसाद——स्थानीय दैनिक समाचार–पत्र में दिनांक 5 जनवरी, 2014 को प्रकाशित शीर्षक "कैसे मिलेगा बच्चों को भरपेट भोजन" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, शिक्षा (प्राथमिक शिक्षा) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि——

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में मध्याह्न भोजन योजना मद में वर्ष 2013–14 में सभी स्तर के छात्रों को मिल रहे मध्याह्न भोजन की राशि में साढ़े सात प्रतिशत की वृद्धि की गयी है, जबकि खाद्य सामग्रियों के बाजार भाव में 25 से 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है ;

(2) क्या यह बात सही है कि मध्याह्न भोजन योजना की राशि में समानुपातिक ढंग से वृद्धि नहीं होने के कारण मध्याह्न भोजन योजना की गुणवत्ता प्रभावित होता है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडो के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो राज्य सरकार इस योजना की समीक्षा कर बाजार भाव के अनुरुप राशि में बढ़ोतरी करना चाहती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

03. श्री अब्दुलबारी सिद्दिकी——दैनिक समाचार–पत्र में दिनांक 3 जनवरी, 2014 को प्रकाशित शीर्षक "सूबे में बालू के लिये मचा हाहाकार" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, खान एवं भूतत्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि——

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में बालू के खनन पर रोक लग जाने के कारण पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर बालू की कालाबाजारी हो रही है तथा निर्माण कार्य ठप हो गया है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार बालू की आपूर्ति जारी रखने तथा कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कौन–सी कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

04. श्री अब्दुलबारी सिद्दिकी——दैनिक समाचार–पत्र में दिनांक 9 दिसम्बर, 2013 को प्रकाशित शीर्षक "उफ! भविष्य से यह खिलवाड़" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि——

(1) क्या यह बात सही है कि सर्व–शिक्षा अभियान के तहत् राज्य के 70,000 प्रारंभिक विद्यालयों में पढ़ने वाले 1.90 करोड़ छात्रों को समय से बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक प्रकाशन निगम द्वारा प्रकाशित पुस्तकें उपलब्ध नहीं होती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2007–08 में 76 दिन, 2008–09 में 260 दिन, 2009–10 में 228 दिन, 2010–11 में 153 दिन तथा 2011–12 में 172 दिन विलम्ब से पुस्तकें उपलब्ध करायी गयी है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो विलंब से पुस्तकें उपलब्ध कराने हेतु कौन–कौन पदाधिकारी एवं कर्मचारी जिम्मेवार हैं और सरकार उनके विरुद्ध कौन–सी कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

फूल झा,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान–सभा ।

पटना :
दिनांक 18 फरवरी, 2014 (ई०)।

बि०स०मु० (एल०ए०), 141 डी०टी०पी०–450